दूसरा अध्याय

बाइबल अध्ययन के लाभ

उत्तर ६५ (च) रूत	**ऐतिहासिक पुस्तकें** इस्राएल के राज्य के प्रारम्भ होने का वर्णन १ और २ शमूएल में है। शमूएल ने इसके संगठन में मदद की थी। वह याजक, भविष्यद्वक्ता, शिक्षक, राजनीतिज्ञ और अन्तिम न्यायी था।
उत्तर १२६ पौलूस याकूब पतरस यूहन्ना	**सामान्य पत्र** अन्तिम तथा सब से छोटा पत्र यहूदा पाठकों को झूठी शिक्षाओं के प्रति सचेत करता है तथा प्रभु यीशु के आगमन की सूचना देता है।

प्रश्न ७

यह पाठ किस सबन्ध में है ?

(क) हर एक के पास बाइबल नहीं होना चाहिये ।

(ख) बाइबल किस तरह बेचा जाए ।

(ग) बाइबल का अध्ययन किस तरह करें ।

(घ) हर एक को बाइबल का अध्ययन करने से क्या लाभ ।

प्रश्न ६६

बाइबल की पहली दस पुस्तकों के नाम लिखिए ।

उ..... य.....

नि..... न्या.....

लै..... रू.....

गि..... १-श.....

व्य..... २-श.....

प्रश्न १२७

सात सामान्य पत्रों के नाम लिखें । उनमें से सबसे छोटे पत्र को रेखांकित कर दें ।

उत्तर ७	लाभ
(घ) हर एक को बाइबल का अध्ययन करने से क्या लाभ ।	लाभ वह है जिससे आप को किसी तरह की अच्छाई की उपलब्धि हो । हम बाइबल अध्ययन के ८ लाभों की चर्चा करेंगे ।

उत्तर ६६	ऐतिहासिक पुस्तकें
उत्पत्ति, निर्गमन, लैव्यव्यवस्था, गिनती, व्यवस्थाविवरण, यहोशू, न्यायियों, रूत, १ तथा २ शमूएल ।	१ और २ राजा एवम १ और २ इतिहास यहूदा और इस्राएल के राज्यों के इतिहास की चर्चा करते हैं । इतिहास की पुस्तकें पारिवारिक इतिहास की दीर्घकालीन विवरण करती है ।

उत्तर १२७	भविष्द्वाणी की पुस्तक
याकूब १ तथा २ पतरस १, २, ३ यूहन्ना यहूदा	प्रकाशित वाक्य को भविष्यद्वाणी की पुस्तक भी कहते हैं क्योंकि इसमें भविष्य को खोला गया है । इसके सांकेतिक दर्शन बहुत कुछ दानिय्येल की पुस्तक के दर्शनों के अनुरूप हैं ।

कार्य ८

अपनी नोटबुक में यह लिखें:

आत्मा के लिये रोटी
आनन्द
परमेश्वर की समीपता
उत्साह
नीव
प्रेरणा
सच्चाई
सुरक्षा

प्रश्न तथा कार्य ६७

१ राजा के पहले पांच अध्यायनों तथा १ इतिहास के पहले पांच अध्यायों की तुलना करें। किस पुस्तक में इब्रानी पूर्वजों के पारिवारिक इतिहास अथवा पारिवारिक आकड़ों की अधिक चर्चा की गई है ?

(क) १ राजा

(ख) १ इतिहास

प्रश्न १२८

कौन सी दो पुस्तकें हैं जो बहुत कुछ एक दूसरे के अनुरूप हैं इसमें कि सांसारिक संघर्षों की चर्चा, मसीह विरोधी तथा प्रभु मसीह की अन्तिम विजय के सांकेतिक दर्शन देती हैं ?

(क) यशायाह तथा १ पतरस ।

(ख) दानिय्येल तथा प्रकाशित वाक्य ।

(ग) यहेजकेल तथा प्रकाशित वाक्य ।

आत्मा के लिये रोटी

बाइबल **आत्मा के लिये रोटी है।** इसको प्रतिदिन पढ़ने से हमें आत्मा और शरीर के लिये स्वास्थ्य और शक्ति मिलती है। हमारा आत्मिक जीवन इसी रोटी पर निर्भर रहता है।

उत्तर ६७

(ख) १ इतिहास

ऐतिहासिक पुस्तकें

परमेश्वर ने एज्रा याजक और राजकुमार नहेम्याह को इब्रानियों को बाबुल की गुलामी से घर वापिस लाने के लिये अगुवा के रूप में उपयोग किया। उन्होंने राष्ट्र के निर्माण में हाथ लगाया।

उत्तर १२८

(ख) दानिय्येल तथा प्रकाशित वाक्य

भविष्यद्वाणी की पुस्तक

यूहन्ना जब पतामुस के टापू में बहिष्कृत जीवन बिता रहा था इस युग के अन्तिम दिनों के लिये दर्शन देखकर स्वर्ग तथा आने वाले परमेश्वर के राज्य की चर्चा करता था।

प्रश्न तथा कार्य ९

बाइबल के अध्ययन का एक लाभ यह है कि यह हमारी·····
·····रोटी है ।

मत्ती ४ : ४ कंठस्थ कीजिये :

"मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं पर हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीता रहेगा" ।

प्रश्न ६८

परमेश्वर ने एज्रा को यरूशलेम में अद्‌भुत आत्मिक जागृति लाने के लिये उपयोग किया

(क) मिस्र से आज़ादी मिलने के बाद ।

(ख) यहोशू द्वारा कनान को विजय करने के समय ।

(ग) इब्रानियों की बाबुल की दासता से आज़ाद होने के बाद ।

कार्य तथा प्रश्न १२९

प्रकाशित वाक्य के १,२१,२२ अध्याय पढ़ें । इन अध्यायों को पढ़ने पर आपकी विचार धारा कैसी होती है ? क्या आप यह जानकर रोमांचित नहीं हो उठते कि मसीह वापिस आ रहा है ? क्या यूहन्ना की २२:२० की प्रार्थना आपकी प्रार्थना है ? प्रार्थना करें कि परमेश्वर आपकी मदद करें इस बात को याद रखने में जब तक कि आप जीवित हैं तथा उसके लिये कार्य करते है ।

उत्तर ९

आत्मा के लिये

आनन्द

बाइबल के पढ़ने से हमें वास्तविक **आनन्द** मिलता है । यह हमारे लिये परमेश्वर का प्रेम पत्र है । यह एक सुन्दर साहित्य है जिसमें जीवन और परमेश्वर अद्‌भुत संदेश का समावेश है ।

उत्तर ६८

(ग) इब्रानियों के बाबुल की दासता से आजाद होने के बाद

ऐतिहासिक पुस्तकें

परमेश्वर ने एज्रा को प्रेरित किया कि वह लिखे तथा पवित्र पुस्तकों को एकत्र करें जो मिलकर पुराना नियम कहलाती है । उसने शास्त्रों की प्रतियां बनाई ताकि लोग उन्हें पढ़ सकें ।

प्रभु मसीह के प्रकाशन के साथ पतामुस का टापू यूहन्ना के लिये स्वर्ग के द्वार में बदल गया । यह हमारे अधंकार पूर्ण जीवन में प्रकाश तथा आनन्द लाता है तथा अस्तव्यस्त संसार के लिये आशा ।

प्रश्न तथा कार्य १०

बाइबल का दूसरा लाभ.....
है जो हमें इसके पढ़ने और अध्ययन करने से मिलता है ।

कंठस्थ करें :

"तेरे वचन मुझ को कैसे मीठे लगते हैं ।"
भजन संहिता ११९ : १०३ ।

प्रश्न २९

जिन पुस्तकों से पुराना नियम बना है उन का एकत्रित होना एज्रा की मृत्यु के बाद पूरा हुआ ।

हम एज्रा को उसके महत्वपूर्ण काम के लिये याद करते हैं कि उसने

(क) उस समय पाई जाने वाली पुराने नियम की पुस्तकों को एक साथ इकट्ठा किया ।

(ख) पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें लिखीं ।

कार्य १३०

१. बाइबल में विभिन्न पुस्तकों को तलाश करने का अभ्यास करें ।

२. वर्गीकरण के आधार पर पुस्तकों के नाम लिखने का अभ्यास करते रहें जब तक कि आप अपनी स्मृति की सहायता से उन्हें अच्छी तरह न लिख सकें ।

३. अपने छात्र-विवरण को भर दें ।

उत्तर १०	परमेश्वर की समीपता
आनन्द	जब हम परमेश्वर के वचन को पढ़ते हैं तो हमें **परमेश्वर की समीपता** अनुभव होती है। वह वहां उपस्थित है और हमसे व्यक्तिगत रूप में बातचीत करता है। हमारे मन इससे अधिक महत्वपूर्ण लाभ के विचार तक नहीं कर सकते।
उत्तर ६९	**ऐतिहासिक पुस्तकें**
(क) उस समय पाई जाने वाली पुराने नियम की पुस्तकों को एक साथ इकट्ठा किया।	एस्तेर की पुस्तक के पढ़ने से पता चलता है कि किस तरह से परमेश्वर ने रानी एस्तेर को जो सौन्दर्य प्रतियोगिता की विजेता थी इब्रानी लोगों के दासता के समय में हत्याकाण्ड से बचाने के लिये प्रयोग किया।

सातवां अध्याय

हम किस तरह जानते हैं कि बाइबल परमेश्वर का वचन है

प्रश्न ११

लाभों की सूची के पहले तीन लाभ लिखिये :

अ.....

अ.....

प.....

उत्साह

नीव

प्रश्न ७०

ऐतिहासिक पुस्तकों में से अन्तिम तीन पुस्तकों को पढ़ने से पता चलता है कि परमेश्वर ने इब्रानियों की दासता के तथा इनके बाबुल देश से लौट आने के समय किस रीति से उनकी अपनी सुरक्षा में रखा। वे है:

(क) एज्रा, नहेम्याह, एस्तेर

(ख) १ तथा २ शमूएल, १ राजा

(ग) यहोशू, न्यायियों, रूत

प्रश्न १३१

क्या आपने स्वयं से यह प्रश्न किया : "मैं क्यों कर जानता हूँ कि बाइबल सत्य है ?" क्या आप अपने किसी मित्र की सहायता करना चाहते हैं जिसे बाइबल की इस प्रेरणा के विषय शंका हो ? क्या कोई ऐसा व्यक्ति है जो आपके बाइबल पर होने वाले विश्वास से आपको डिगाना चाहता है ? ऐसी स्थिति में यह पाठ विशेष रूप से आपके लिये है।

उत्तर ११

आत्मा के लिये रोटी

आनन्द

परमेश्वर की समीपता

उत्साह

परमेश्वर का वचन **उत्साह** से परिपूर्ण है। वह अपनी प्रेम पूर्ण देख-रेख का उदाहरण हमारे सामने रख कर बताता है: डरो मत। मैं तुम्हारे साथ हूँ और तुम्हारी मदद करूंगा।

उत्तर ७०

(ख) एज्रा, नहेम्याह, एस्तेर

अपने बाइबल में व्यवस्थाविवरण तथा यहोशू की पुस्तक के बीच एक कागज़ का टुकड़ा और एस्तेर तथा अय्यूब की पुस्तक के बीच एक और टुकड़ा रख लें। इन दो भागों में इन पुस्तकों को शीघ्र निकालने हेतु खूब अभ्यास करें।

समस्या

मनुष्य के सामने आने वाली पहली परीक्षा परमेश्वर के वचन पर किये गये आघात से शुरू हुई। शैतान आज भी उसी शंका की बात करता है, "क्या परमेश्वर ने वास्तव में ऐसा कहा ?"

प्रश्न १२

इसे तीन बार पढ़िए :

"मत डर, क्योंकि मैं तेरे संग हूँ, इधर उधर मत ताक, क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर हूँ, मैं तुझे दृढ़ करूंगा और तेरी सहायता करूंगा; अपने धर्ममय दहिने हाथ से मैं तुझे सम्हाले रहूंगा ।" यशायाह ४१ : १० ।

हमें बाइबल से उ.....ह मिलता है ।

कार्य ७१

स्मृति से बाइबल की पहली १७ पुस्तकों के नाम लिखें । फिर उन्हें पुस्तकों के सूची क्रम से मिला लें । अपने किसी मित्र से अनुरोध करें कि वह पुस्तकों की इस सूची से कहीं-कहीं पर पुस्तकों के नाम बोले और आप बाइबल से उन्हें निकाल कर यह जांच करें कि कितनी शीघ्रता से आप यह काम कर लेते हैं ।

प्रश्न तथा कार्य १३२

उत्पत्ति ३ : १ पढ़े । सांप ने हवा से क्या प्रश्न किया (वही प्रश्न जो शैतान आज कल के स्त्री पुरुष से करता है) ?

(क) परमेश्वर कहाँ है ?

(ख) तुम परमेश्वर की सेवा क्यों करते हो ?

(ग) क्या वास्तव में परमेश्वर ने ऐसा कहा ?

उत्तर १२

उत्साह

नींव

प्रभुयीशु ने कहा कि हमारे विश्वास और जीवन के लिये उसका वचन एक सुरक्षित **नींव** है। जो वचन का विश्वास नहीं करते वे उस घर की तरह है जिसकी नीव न डाली गई हो।

काव्य की पुस्तकें

अय्यूब, भजन संहिता, नीति वचन, सभोपदेशक, तथा श्रेष्ठगीत इब्रानी पद्य हैं। बाइबल की अन्य कई पुस्तकों में भी काव्य के अंश हैं।

उत्तर १३२

(ग) क्या वास्तव में परमेश्वर ने ऐसा कहा ?

समस्या

परमेश्वर का वचन शैतान के विरुद्ध हमारी सुरक्षा है। अतः शैतान हमारे विश्वास पर आक्रमण करके हमें निरस्त्र तथा पराजित करना चाहता है।

प्रश्न १३

प्रभु यीशु ने शिक्षा देते हुए कहा कि जो मज़बूत बने हुए घर की तरह तूफ़ान में स्थिर रहते हैं, वे वह लोग हैं जिन्होंने अपने जीवन की नींव

(क) अन्य लोगों को देखकर डाली है।

(ख) वैज्ञानिक सिद्धान्तों पर डालीहै ।

(ग) परमेश्वर के वचन पर डाली है।

प्रश्न ७२

अय्यूब, भजन संहिता, नीतिवचन, सभोपदेशक तथा श्रेष्ठगीत की पुस्तकें

(क) इब्रानी लोगों का इतिहास है।

(ख) इब्रानी काव्य है ।

(ग) अंग्रेजी काव्य है ।

(घ) व्यवस्था है।

प्रश्न १३३

शैतान इस बात का प्रयास करता है कि हम बाइबल की ईश्वरीय प्रेरणा पर सन्देह करें ताकि

(क) हम सफल हों तथा प्रसन्न रहें।

(ख) वह हमें निशस्त्र कर अपना शिकार बना दे।

(ग) हम अधिक बुद्धिमान और ज्ञानी बन सकें।

(घ) हम परमेश्वर के समीप आ सकें।

उत्तर १३	प्रेरणा
(ग) परमेश्वर के वचन पर डाली है ।	अपने वचन के द्वारा परमेश्वर हमारे हृदय में विश्वास, आशा तथा प्रेम को **प्रेरित** करता है । कितने ही कवियों, संगीतकारों तथा कलाकारों ने बाइबल से प्रेरणा प्राप्त की हैं ।
उत्तर ७२	**काव्य की पुस्तकें**
(ख) इब्रानी काव्य है	अय्यूब की नाटकीय और दार्शनिक पुस्तक इस विषय पर लिखी है कि अच्छे लोगों को क्यों पीड़ा उठानी पड़ती है । संभवत: बाइबल की किसी भी अन्य पुस्तक के लिखे जाने से पूर्व इसे लिखा गया ।
उत्तर १३३	**समस्या**
(ख) वह हमें निशस्त्र कर अपना शिकार बना सकता है ।	कुछ आधुनिक तथा स्वतन्त्र विचारों के लोगों ने बाइबल पर अपना विश्वास खो दिया है । कुछ लोग तो इसको मनगढ़न्त कहानियों, कथाओं, तथा कल्पनाओं का संग्रह समझते हैं, परमेश्वर का प्रेरणादायक वचन नहीं ।

प्रश्न १४

लाभों की सूची के पहले ६ लाभ लिखिये :

अ.....

अ.....

प.....

उ.....

न.....

सच्चाई

सुरक्षा

प्रश्न ७३

"धार्मिक लोग क्यों पीड़ा उठाते हैं ?" किस पुस्तक का सार है ? सही नाम को रेखांकित करें :

(क) एज्रा

(ख) नहेम्याह

(ग) एस्तेर

(घ) अय्यूब

(ड़) भजन संहिता

प्रश्न १३४

कुछ आधुनिक मण्डली के अगुए और प्रवक्ता दूसरों के विश्वास को नष्ट करते हैं यह शिक्षा देकर कि बैबल

(क) परमेश्वर का वचन त्रुटिहीन है ।

(ख) शैतान के विरुद्ध हमारा शस्त्र है ।

(ग) कल्पनाओं , मनगढ़न्त कहानियों तथा कथाओं का संग्रह है ।

उत्तर १४

आत्मा की रोटी, आनन्द, परमेश्वर की समीपता, उत्साह, नीव, प्रेरणा

सच्चाई

बाइबल में पाई जाने वाली सच्चाई हमारे महत्वपूर्ण प्रश्नों का उत्तर देती है और हमें जीवन का उद्देश्य और अर्थ प्रदान करती है। यह हमें अज्ञान तथा गलतियों से मुक्त करती है ।

उत्तर ७३

(घ) अय्यूब

काव्य की पुस्तकें

भजन सहिता वे गीत हैं जिनसे इब्रानी गीत की पुस्तक बनी । एक महान संगीतज्ञ दाऊद राजा ने उनमें से कई गीत लिखे । उससे सुन्दर काव्य और कहीं नहीं मिलता ।

उत्तर १३४

(ग) कल्पनाओं, मनगढ़न्त कहानियों तथा कथाओं का संग्रह है ।

समस्या

हर एक मसीही को दूसरों से अथवा स्वयं से ही यह प्रश्न सुनना पड़ता है : "हम कैसे जानते हैं कि बाइबल परमेश्वर का वचन है?" इस प्रश्न का उत्तर तलाश करें ।

प्रश्न १५

इसे कंठस्थ करें :

"और सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा ।" (यूहन्ना ८:३२) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

स.....जो बाइबल में मिलती है हमें

अ.....तथा ग.....से स्वतंत्र करेगी ।

प्रश्न तथा कार्य ७४

इब्रानियों के गीत की पुस्तक को बाइबल के बीच में तलाश करें । इसमें कितने भजन, या गीत हैं ?

(क) ५०
(ख) १५०
(ग) २२५
(घ) ३००

कार्य १३५

इस पद को तीन बार पढ़ें तथा फिर इसे बाइबल में रेखांकित करें ।

"जो कोई तुम से तुम्हारी आशा के विषय में कुछ पूछे, तो उसे उत्तर देने को सदा तैयार रहो, पर नम्रता और भय के साथ ।"
१ पतरस ३:१५

उत्तर १५

सच्चाई

अज्ञान

गलतियों

सुरक्षा

हमें परमेश्वर के वचन में वास्तविक सुरक्षा मिलती है । यह हमें प्रभु यीशु में सुरक्षा तथा स्वर्ग में अनन्त धाम की ओर हमारी अगुवाई करता है । परमेश्वर का वचन शैतान और पाप के विरुद्ध हमारी "तलवार तथा ढाल" है ।

उत्तर ७४

(ख) १५०

काव्य की पुस्तकें

दाऊद का पुत्र सुलेमान इस्राएलियों की तीसरा राजा था । जितने भी मनुष्य उत्पन्न हुए हैं उनमें वह सब से बुद्धिमान माना गया है । उसने नीति वचन, सभोपदेशक तथा श्रेष्ठ गीत को लिखा ।

नौ प्रमाण

प्रमाण

बाइबल परमेश्वर का प्रेरित वचन है । इसके नौ प्रमाण है । इनमें से एक पर विचार करने से बात पूरी तरह सिद्ध नहीं होती पर सबका अध्ययन करने से स्पष्ट रीति से सिद्ध हो जाती है ।

प्रश्न १६

क्या आपको परमेश्वर के वचन में सुरक्षा मिली है ? क्योंकि यह आपके कल्याण के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है, अतः बाइबल के प्रति आपकी क्या योजना है

(क) इसको हर दिन पढ़ें । इस पर विचार करें तथा इसके दीए गए परामर्श का अनुसरण करें ।

(ख) इसको एक बार पढ़ लें ।

(ग) इसके विषय भूल जाएँ ।

प्रश्न ७५

इब्रानी साहित्य के स्वर्णकाल में :

(क) दाऊद ने भजन संहिता, नीतिवचन तथा श्रेष्ठ गीत लिखें ।

(ख) सुलेमान ने नीति वचन, सभोपदेशक तथा श्रेष्ठ गीत लिखे ।

(ग) सुलेमान ने एस्तेर तथा अय्यूब लिखें ।

कार्य १३६

इस प्रमाण की सूची को उतार लें ।

प्रभाव
विविधता तथा एकता
त्रुटि हीनता
खोज
श्रेष्ठता
लेखक का नाम
भविष्यद्वाणी का पूरा होना
विकल्पों को अस्वीकार करना
स्थिरता

उत्तर १६

यह उत्तर आप ही के निर्णय पर निर्भर है ।

लाभ

वे ८ लाभ लिख कर एक-एक के लिये परमेश्वर का धन्यवाद करें। कार्य नम्बर ८ देखकर उनकी जांच कर लें । अब पृष्ठ १३२ पर दूसरे अध्याय के लिये दिये छात्र-विवरण को भर दें ।

उत्तर ७५

(ख) सुलेमान ने नीतिवचन, सभोपदेशक तथा श्रेष्ठ गीत लिखे ।

काव्य की पुस्तकें

सुलेमान ने कुछ नीति वचन लिखे और कुछ का संकलन किया ताकि युवक सीखें कि किस तरह से एक अच्छा और सफल जीवन बिता सकते हैं । यह "बुद्धि की पुस्तकों" में से एक है ।

बाइबल प्रभाव

बाइबल **प्रभाव** के आलौकिक प्रभाव इस बात का प्रमाण हैं कि इसकी उत्पत्ति अलौकिक है ।

इसकी प्रतिज्ञाओं का पूरा हो जाना इस बात का सबूत है कि यह सही तथा अधिकृत है ।